भारत सरकार

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय

द्वारा संचालित

राष्ट्रीय सेवा योजना

इकाई : ए के एस विश्वविद्यालय सतना

प्रकोष्ठ : अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा (म.प्र.)

सात दिवसीय नेतृत्व प्रशिक्षण विशेष इकाई शिविर - रनेही, कोठी जिला- सतना (म.प्र.)

दिनाँक : 25 मार्च 2025 से 31 मार्च 2025 तक

शिविर स्मृति : बताइए ना आप, याद करेगें कि नहीं !

ये सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष इकाई शिविर का त्यौहार,
जिसमें असीमित खुशियाँ और अपनों सा प्यार ;
इस त्यौहार की खुशियों को बरकरार रखेगें कि नहीं |
बताइए ना आप याद करेंगें कि नहीं ||

उद्घाटन सत्र में आदरणीय अनन्त सर का उद्गार,
जिसमें वैश्विक जनकल्याण और 'वसुधैव कुटुम्बकम् का सार|
आदरणीय कुलपति जी का वैश्विक शान्ति का प्रयास;
जिससे लाना है अमन विश्व में, और रोकना है भीषण नरसंहार |
स्वयमेव इस काबिल बनकर आदरणीय कुलपति जी का सपना साकार करेंगे कि नहीं |
बताइए ना आप, आप याद करेंगे कि नहीं ||1||

स्थानीय जनप्रतिनिधियों के जीवन का सार,
सामाजिक कल्याण, समाज सेवा तथा आत्मसंतुष्टि का विचार|
प्रत्येक कार्य में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहयोग;
इससे समाज में परिवर्तन लाकर सिखाना है परोपकार |
इस परोपकार (मैं नहीं बल्कि आप)की भावना का विस्तार करेंगे कि नहीं |
बताइए ना आप, याद करेंगें कि नहीं ||2||

प्रशासनिक अधिकारियों का सहज व्यवहार,
प्रशासनिक कार्यों के लिए आत्मसृजन का सार|
समाज में व्याप्त 'समाज-विरोधी तत्वों' का समूल संहार;
बनाना है एक सुन्दर, बसंत की बगिया सा संसार |
इस धरातल पर ही स्वर्ग का सृजन करेंगे कि नहीं|
बताइए ना आप, याद करेंगें कि नहीं ||3||

आदरणीय महेन्द्र सर का बाह्य शख्त व्यवहार,
किन्तु मूल रूप में सब के सम्पूर्ण विकास का दृढ़ विचार |
कभी लगाई भी यदि हम सब की भूल डाँट- फटकार;
उसे एकान्त अन्तर्मन में सोचना बारम्बार |
उनके हृदय की कोमलता और स्नेह का आभाष करेंगे कि नहीं |
बताइए ना आप, याद करेंगें कि नहीं ||4||

आदरणीय दीपक सर का शांत स्वभाव,
जहाँ प्रेम की अधिकता और शख्ती का अभाव |
सभी में परस्पर सामंजस्य रहे स्थापित;
और कायम रहे लगाव |
आगामी जीवन में इस नेक प्रयास को परिलक्षित रखेंगे कि नहीं |
बताइए ना आप, याद करेंगें कि नहीं ||5||

आदरणीया रमा मैम की शीतलता और वत्सल व्यवहार,
बच्चों के लिए ममता, स्नेह और प्यार |
उनकी त्रुटियो को एक अवसर दे आगे बढ़ाने का विचार;
उनकी हर चुनौती के लिए स्वयं मे प्रत्युत्तर हर बार |
उनकी वत्सलता को सहज स्वीकार्य करेगें कि नहीं |
बताइए ना आप, याद करेंगें कि नहीं ||6||

आदरणीय अयोध्या सर, नीरज सर और अंकित सर का साथ,
वाणी और व्यवहार में चंचलता, आदरणीया गरिमा मैम की बात |
कृषि संकाय की नव कलियों को पूर्ण विससित करने का प्रण;

अपनी सुवास से समूचे उपवन को सुगंधित करेगें एक दिन,
इसी प्रण और विश्वास के साथ शिविर में बिताए हैं कई दिन और रात |
उनके इस सपने को साकार करेंगें कि नहीं |
बताइए ना आप, याद करेंगें कि नहीं ||7||

प्रभात-फेरी में एक स्वर से गान, जिसमें विभिन्न भजनों का समावेश,
ग्रामवासियों के जीवन में नव ऊर्जा हो जागृत, सब का बस यही संदेश |
परियोजना कार्य में स्वच्छ और नवनिर्मित करना अपना सामाजिक परिवेश;
जिससे सुन्दर हो समाज, स्वच्छ और विकसित हो अपना देश |
2047 तक भारत को विकसित और आत्मनिर्भर करेंगे कि नहीं |
बताइए ना आप, याद करेंगें कि नहीं ||8||

एक साथ भोजन और एक साथ ही स्वल्पाहार,
परिलक्षित था परस्पर आदर और साझा थे विचार |
अल्प विश्राम, बौध्दिक सत्र या हो फिर स्वाध्याय;
जिससे हम सब का जीवन हो राष्ट्र सेवा का पर्याय |
ऐसे अनुकरण योग्य व्यक्तित्व का निर्माण करेगें कि नहीं |
बताइए ना आप, याद करेंगें कि नहीं ||9||

विकास सर के शींटी (Whistle) की पुकार,
इन्द्रकुमार सर के सांस्कृतिक कार्यक्रम की फुहार |
आप सब का अपनों सा आदर और प्यार;
बताइए ना आप, याद करेंगें कि नहीं ||10||

कभी-कभी बातें होती दिल के आर-पार,
जो चुभती बार-बार |
फिर भी ना कोई भेदभाव, ना कोई तकरार;
बताइए ना आप, याद करेंगें कि नहीं ||11||

पहले का अनजाना सा व्यवहार,
मन में सवाल सौ, हजार |
किन्तु आज स्पष्ट लक्ष और श्रेष्ठ विचार;
बताइए ना आप, याद करेंगें कि नहीं ||12||

माना ..... कि था एक अंतराल,
पर आएगा हम सब को यह ख्याल |
कुछ सीखें मानवीय गुण हमने यहाँ (शिविर में);
जिनसे बनाना है जीवन खुशहाल |
आदर्श व्यक्तित्व और खुशहाल जीवन के पर्याय बनेंगे कि नहीं|
बताइए ना आप, याद करेंगें कि नहीं ||13||

रात्रि कालीन शयन से पूर्व सांस्कृतिक कार्यक्रम की बौछार,
लोक- संस्कृति की झाकियाँ थी दिखती बार - बार |
किसी ने लोकगीत गाया तो किसी ने नृत्य था दिखाया;
सब ने सब को दिया स्नेह और परस्पर आदर पाया |
इस आदर और स्नेह को स्मरण रखेगें कि नहीं |
बताइए ना आप, याद करेंगें कि नहीं ||14||

- सचिन
  NSS Batch 2021

विशेष नेतृत्व विकास शिविर: प्रथम दिवस की रिपोर्ट (25 मार्च 2025)

स्थान: ग्राम पंचायत रनेही, तहसील कोठी, सोहावल ब्लॉक
आयोजन: भारत सरकार के खेल एवं युवा मामलों के मंत्रालय, मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग (भोपाल) एवं एपीएस यूनिवर्सिटी रीवा के एनएसएस सेल से संबद्ध एकेएस यूनिवर्सिटी सतना की एनएसएस इकाइयाँ (बालक एवं बालिका)
शिविर अवधि: 25 मार्च से 31 मार्च 2025
भागीदारी: 93 स्वयंसेवक (58 बालक एवं 39 बालिकाएँ) एवं 4 शिक्षकों की उपस्थिति

शिविर स्थल के लिए प्रस्थान

25 मार्च 2025 को प्रातः 10:30 बजे, एकेएस यूनिवर्सिटी के एनएसएस स्वयंसेवकों एवं शिक्षकों का दल दो बसों में सवार होकर ग्राम रनेही के लिए रवाना हुआ। मार्ग में स्वयंसेवकों ने राष्ट्र सेवा और सामाजिक समर्पण की भावना से ओतप्रोत होकर विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों पर चर्चा की। ग्राम में पहुँचने पर स्थानीय ग्रामवासियों ने पूरे दल का स्वागत किया एवं उनके कार्यों के प्रति अपनी उत्सुकता व्यक्त की।

शिविर की प्रारंभिक गतिविधियाँ

गाँव पहुँचने के उपरांत, स्वयंसेवकों को उनके कार्यों की जानकारी दी गई एवं एक परिचयात्मक सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान शिविर के उद्देश्यों , नियमों एवं अनुशासन पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रथम दिवस की मुख्य गतिविधियों में निम्नलिखित कार्य सम्मिलित रहे:

1. **रैली पोस्ट निर्माण:**
    - शिविर स्थल पर विभिन्न कार्यों के प्रबंधन हेतु रैली पोस्ट बनाए गए।

- प्रशासनिक समिति, स्वच्छता समिति, भोजन व्यवस्था समिति, सांस्कृतिक समिति, एवं सुरक्षा समिति का गठन किया गया।
- प्रत्येक समिति को उसके दायित्व सौंपे गए ताकि शिविर का संचालन सुचारू रूप से किया जा सके।

2. **समूह विभाजन एवं कार्य विभाजन:**
   - 93 स्वयंसेवकों को छोटे-छोटे समूहों में बाँटा गया।
   - प्रत्येक समूह को विशेष कार्य सौंपे गए, जैसे – ग्रामीणों से संवाद, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य जागरूकता, एवं स्वच्छता संबंधी कार्य।
   - शिक्षकों ने कार्यों के सुचारू संचालन के लिए मार्गदर्शन दिया।
3. **आवास व्यवस्था की रूपरेखा:**
   - स्वयंसेवकों के लिए ठहरने की उचित व्यवस्था की गई।
   - भोजन, जल एवं आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई।
   - समूहों के अनुसार विश्राम स्थानों का निर्धारण किया गया।

प्रथम दिवस की प्रमुख उपलब्धियाँ

✔ गाँव में सामाजिक जागरूकता रैली का सफल आयोजन।
✔ विभिन्न समितियों का गठन एवं कार्यों का उचित विभाजन।
✔ ग्रामीणों के साथ संवाद स्थापित कर शिविर के उद्देश्यों को साझा करना।
✔ स्वयंसेवकों के बीच समन्वय एवं नेतृत्व कौशल को बढ़ावा देना।

समाप्ति एवं अगले दिवस की योजना

दिनभर की गतिविधियों के पश्चात एक विचार-विमर्श सत्र आयोजित किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने अपने अनुभव साझा किए। शिविर के अगले दिन स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। सभी स्वयंसेवकों को अगले दिन के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए और उन्हें विश्राम हेतु भेजा गया।

इस प्रकार, विशेष नेतृत्व विकास शिविर के प्रथम दिवस का सफल समापन हुआ।

विशेष नेतृत्व शिविर का द्वितीय दिवस (26 मार्च 2025) की विस्तृत रिपोर्ट

विशेष नेतृत्व शिविर के द्वितीय दिवस की शुरुआत शिविर दिनचर्या के अनुसार प्रातः 5:00 बजे गगनभेदी घोष एवं गीतों के साथ हुई। इसके पश्चात् 5:30 बजे सभी एनएसएस स्वयंसेवक जागरूकता एवं जनचेतना के उद्देश्य से ग्राम रनेही में प्रभात फेरी के लिए प्रस्थान किए। इस दौरान स्वयंसेवकों ने "स्वच्छ भारत , स्वस्थ भारत", "सेवा परमो धर्मः", "हम सबका एक ही नारा , स्वच्छ और सुंदर हो देश हमारा" आदि प्रेरणादायक नारों के साथ जागरूकता फैलाई। साथ ही , स्वयंसेवकों ने भजन एवं गीतों के माध्यम से ग्रामीणों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

योग एवं शारीरिक व्यायाम सत्र

प्रभात फेरी के उपरांत शिविर स्थल पर सभी स्वयंसेवकों ने योग एवं शारीरिक व्यायाम किया। योगाचार्यों द्वारा विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियाँ सिखाई गईं, जिससे स्वयंसेवकों में मानसिक एवं शारीरिक स्फूर्ति बनी रहे।

स्वल्पाहार व्यवस्था

स्वस्थ शरीर और स्फूर्त मन के लिए संतुलित आहार आवश्यक होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए, शिविर स्थल पर तैनात समूह द्वारा नाश्ते में पोहा और चाय की व्यवस्था की गई , जिससे सभी स्वयंसेवकों को ऊर्जा प्राप्त हुई और वे आगामी सत्रों के लिए तैयार हो सके।

शिविर का औपचारिक उद्घाटन सत्र

प्रातः 10:00 बजे शिविर का औपचारिक उद्घाटन समारोह आरंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में स्मृति सुखवंती कोरी (अध्यक्ष, नगर परिषद, कोठी) उपस्थित रहीं। विशेष अतिथि के रूप में श्री अनुपम पाठक (व्यवस्थापक, सरस्वती शिशु मंदिर, कोठी), श्री धीरेंद्र शर्मा (प्रधानाचार्य, सरस्वती शिशु मंदिर , कोठी) एवं समाजसेविका व शिक्षिका श्रीमती प्रियंका बगरी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अनंत कुमार सोनी (प्रो-चांसलर एवं चेयरमैन , AKS विश्वविद्यालय, सतना) द्वारा की गई।

शिविर संचालक एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. महेंद्र कुमार तिवारी ने शिविर की रूपरेखा एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। शिविर सह-संचालक एवं कार्यक्रम अधिकारी (बालक इकाई) डॉ. दीपक मिश्रा **,** कार्यक्रम अधिकारी (बालिका इकाई) डॉ. श्रीमती रमा शुक्ला **, तथा** मिस गरिमा सिंह एवं अयोध्या पांडेय भी इस अवसर पर उपस्थित रहे एवं अपने विचार व्यक्त किए।

अतिथियों के उद्बोधन

मुख्य अतिथि श्रीमती सुखवंती कोरी का संबोधन

मुख्य अतिथि श्रीमती सुखवंती कोरी ने अपने संबोधन में स्वयंसेवकों को नेतृत्व की भावना विकसित करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि "एनएसएस केवल एक सेवा संगठन नहीं , बल्कि यह युवाओं को सामाजिक उत्तरदायित्व सिखाने का एक सशक्त माध्यम है। समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने तथा पर्यावरण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए स्वयंसेवकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।" उन्होंने स्वयंसेवकों से आग्रह किया कि वे इस शिविर में प्राप्त सीख को अपने जीवन में आत्मसात करें और समाज को सशक्त बनाने में योगदान दें।

विशेष अतिथि श्री अनुपम पाठक का संबोधन

श्री अनुपम पाठक ने अपने उद्बोधन में कहा कि "नेतृत्व केवल पद प्राप्त करने से नहीं आता , बल्कि यह सेवा , त्याग, अनुशासन और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता से विकसित होता है।" उन्होंने स्वयंसेवकों को समाज सेवा को अपनी प्राथमिकता बनाने और लोक कल्याण के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

प्रधानाचार्य श्री धीरेंद्र शर्मा का संबोधन

प्रधानाचार्य श्री धीरेंद्र शर्मा ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि "समाज के उत्थान में युवाओं की भूमिका अति महत्वपूर्ण होती है। युवाओं को अपने विचारों और कर्मों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करना चाहिए।" उन्होंने शिविर में भाग लेने वाले सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी और इस प्रकार के आयोजनों की निरंतरता बनाए रखने पर बल दिया।

समाजसेविका श्रीमती प्रियंका बगरी का प्रेरणादायक संदेश

समाजसेविका श्रीमती प्रियंका बगरी ने स्वयंसेवकों को आत्मनिर्भर बनने और समाज के लिए कार्य करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि "नेतृत्व का मूल आधार सेवा एवं समर्पण है। यदि हम समाज में बदलाव लाना चाहते हैं , तो हमें स्वयं आगे बढ़कर उदाहरण प्रस्तुत करना होगा।" उन्होंने महिलाओं की सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया।

अध्यक्षीय उद्बोधन – श्री अनंत कुमार सोनी

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री अनंत कुमार सोनी ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि "सच्चा नेतृत्व वह है जो दूसरों को आगे बढ़ाने में सहयोग करे। एनएसएस स्वयंसेवकों को अपनी क्षमताओं का पूर्ण उपयोग कर समाज सेवा को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए।" उन्होंने शिविर के सफल आयोजन के लिए आयोजकों एवं प्रतिभागियों को बधाई दी और सभी स्वयंसेवकों को समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

शिविर समन्वयकों के विचार

शिविर संचालक डॉ. महेंद्र कुमार तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि "एनएसएस शिविरों का मुख्य उद्देश्य युवाओं में सेवा भाव , नेतृत्व क्षमता एवं समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना है।" **उ**न्होंने सभी स्वयंसेवकों से इस शिविर में प्राप्त शिक्षा को अपने जीवन में उतारने की अपील की।

कार्यक्रम अधिकारी (बालक इकाई) डॉ. दीपक मिश्रा एवं कार्यक्रम अधिकारी (बालिका इकाई) डॉ. श्रीमती रमा शुक्ला ने भी शिविर के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए स्वयंसेवकों को उनके सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूक किया।

बौद्धिक सत्र

दोपहर 2:30 बजे बौद्धिक सत्र आयोजित किया गया , जिसमें डॉ. नीरज वर्मा (प्रमुख , कृषि विज्ञान विभाग), डॉ. महेंद्र कुमार तिवारी (प्रमुख , पर्यावरण विज्ञान विभाग) एवं श्री सौरभ सिंह (उपाध्यक्ष , नगर परिषद) ने स्वयंसेवकों को संबोधित किया। इस सत्र में सामाजिक सेवा , पर्यावरण संरक्षण एवं कृषि विज्ञान में नवाचार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

सांस्कृतिक एवं सामुदायिक गतिविधियाँ

शाम को स्वयंसेवकों ने खेलकूद गतिविधियों में भाग लिया , जिससे उनमें टीम वर्क एवं अनुशासन की भावना विकसित हुई। इसके उपरांत, स्वयंसेवकों ने ग्राम रनेही के स्लम क्षेत्र में जाकर जनसंपर्क किया एवं सामाजिक सर्वेक्षण किया। इस दौरान , उन्होंने स्थानीय निवासियों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को समझा।

रात्रि भोज के उपरांत, सांस्कृतिक दल द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया , जिसमें देशभक्ति गीत, लोक नृत्य एवं नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से समाज सेवा और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया गया।

निष्कर्ष

द्वितीय दिवस के कार्यक्रमों ने स्वयंसेवकों को न केवल समाज सेवा के महत्व से अवगत कराया , बल्कि उन्हें नेतृत्व, अनुशासन और सामूहिक कार्य प्रणाली के गुर भी सिखाए। विभिन्न अतिथियों द्वारा दिए गए प्रेरणादायक उद्बोधनों ने स्वयंसेवकों को समाज सेवा के प्रति और अधिक समर्पित

होने हेतु प्रेरित किया। शिविर के इस सफल आयोजन ने सभी प्रतिभागियों को समाज कल्याण के प्रति नई ऊर्जा और दृष्टिकोण प्रदान किया।

अंततः, यह दिन एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हुआ , जिसने उनमें आत्मविश्वास, सेवा भावना और नेतृत्व कौशल को और अधिक मजबूत किया।

विशेष नेतृत्व विकास शिविर – तृतीय दिवस (27 मार्च 2025) की रिपोर्ट

विशेष नेतृत्व विकास शिविर के तृतीय दिवस (27 मार्च 2025) की शुरुआत निर्धारित दिनचर्या के अनुसार हुई। प्रातः 5:00 बजे सभी स्वयंसेवकों को जगाया गया और 5:30 बजे तक वे शिविर स्थल सरस्वती शिशु मंदिर, कोठी में पूरी तरह से तैयार हो गए। इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने ग्राम रनेही के लिए प्रस्थान किया, जहाँ एक प्रभात फेरी निकाली गई।

प्रभात फेरी एवं जन-जागरूकता अभियान

स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय सेवा योजना **(NSS)** के विभिन्न नारों , गीतों और भजनों के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक करने का प्रयास किया। प्रभात फेरी के दौरान स्वयंसेवकों ने सामूहिक रूप से प्रेरणादायक **नारे** लगाए, जिनमें प्रमुख थे—

- "स्वच्छता अपनाओ, बीमारी भगाओ।"
- "हम सब ने यह ठाना है, भारत को स्वच्छ बनाना है।"
- "शिक्षा ही जीवन का आधार, पढ़ेगा भारत तभी बनेगा साकार।"
- "नारी का सम्मान, देश की शान।"

इन नारों के माध्यम से स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों को स्वच्छता , शिक्षा और महिला सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रेरित किया। इसके साथ ही , भजन और प्रेरणादायक गीतों ने पूरे वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया।

योग अभ्यास एवं व्यायाम सत्र

प्रभात फेरी के पश्चात स्वयंसेवकों ने योग और व्यायाम सत्र में भाग लिया। इस दौरान योग प्रशिक्षकों ने विभिन्न आसन, प्राणायाम और ध्यान की विधियाँ सिखाईं, जिनका उद्देश्य स्वयंसेवकों के

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को सशक्त बनाना था। मुख्य रूप से सूर्य नमस्कार, भस्त्रिका, अनुलोम-विलोम, कपालभाति आदि योगाभ्यास कराए गए।

स्वल्पाहार एवं सामूहिक भोज

योग सत्र के उपरांत स्वल्पाहार का आयोजन किया गया , जिसमें पोहा और चाय परोसी गई। यह भोजन शिविर में तैनात समूह के द्वारा तैयार किया गया था। इसके बाद सभी स्वयंसेवकों ने अपनी आगामी गतिविधियों के लिए तैयारियाँ कीं।

परियोजना कार्य: तालाब की सफाई एवं सौंदर्यीकरण

शिविर के तृतीय दिवस का मुख्य आकर्षण परियोजना कार्य रहा, जो रनेही ग्राम के तालाब की स्वच्छता और सौंदर्यीकरण पर केंद्रित था। इस कार्य के लिए ग्राम सरपंच प्रतिनिधि श्री रोहित सिंह **जी** के साथ विस्तृत चर्चा की गई, जिसके आधार पर तालाब के एक हिस्से की सफाई का कार्य शुरू किया गया।

परियोजना कार्य में प्रमुख गतिविधियाँ:

- तालाब के आसपास फैली गंदगी एवं प्लास्टिक कचरे को हटाना।
- तालाब के जल को शुद्ध बनाए रखने हेतु स्वच्छता उपायों की योजना बनाना।
- तालाब के चारों ओर वृक्षारोपण एवं सौंदर्यीकरण की प्रक्रिया शुरू करना।

इस सफाई अभियान में स्वयंसेवकों ने पूरे जोश और समर्पण के साथ भाग लिया। इस दौरान कार्यक्रम अधिकारियों एवं शिविर संचालकों ने स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया।

स्नान एवं मध्याह्न भोजन

परियोजना कार्य संपन्न करने के पश्चात स्वयंसेवकों ने स्नान किया और विवेकानंद समिति द्वारा तैयार स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। भोजन में दाल, चावल, सब्जी, रोटी और अचार परोसा गया, जिसे स्वयंसेवकों ने बड़े उत्साह के साथ ग्रहण किया।

बौद्धिक सत्र (2:30 PM – 4:30 PM)

भोजन और विश्राम के पश्चात दोपहर 2:30 बजे से बौद्धिक सत्र का आयोजन किया गया , जिसमें प्रमुख अतिथियों ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए।

1. **श्री मनीष भारद्वाज (IPS प्रशिक्षु एवं प्रभारी, पुलिस थाना कोठी)**
    - उन्होंने स्वयंसेवकों को नेतृत्व क्षमता एवं व्यक्तित्व विकास (Personality Development) के बारे में विस्तार से बताया।
    - उन्होंने कहा कि एक अच्छा नेता वही होता है, जो अपने अनुयायियों के साथ मिलकर कार्य करता है और समाज के विकास में योगदान देता है।
    - उन्होंने नेतृत्व कौशल विकसित करने के लिए संचार क्षमता, निर्णय लेने की शक्ति, आत्मविश्वास और टीम वर्क पर विशेष ध्यान देने की बात कही।
2. **डॉ. (श्रीमती) रमा शुक्ला (कार्यक्रम अधिकारी, NSS)**
    - उन्होंने स्वयंसेवकों को बताया कि NSS के माध्यम से समाज सेवा और कैरियर विकास में कैसे आगे बढ़ा जा सकता है।
    - उन्होंने स्वयंसेवकों को सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूक किया और बताया कि कैसे वे शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में योगदान दे सकते हैं।

जनसंपर्क अभियान: सरकारी योजनाओं की जागरूकता

बौद्धिक सत्र के बाद रानी लक्ष्मीबाई समूह के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने ग्राम रनेही में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस अभियान के तहत स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को **सरकारी** योजनाओं एवं सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी, जिनमें प्रमुख थे—

- प्रधानमंत्री आवास योजना
- स्वच्छ भारत अभियान
- बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना
- मनरेगा योजना

इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को सरकारी लाभों से अवगत कराना और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना था।

समीक्षा बैठक एवं सांस्कृतिक संध्या

जनसंपर्क अभियान के उपरांत शिविर संचालक एवं कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें स्वयंसेवकों ने दिनभर की गतिविधियों का विश्लेषण किया और अपने अनुभव साझा किए।

रात्रि भोजन के पश्चात सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया , जिसमें स्वयंसेवकों ने नृत्य, नाटक, कविता पाठ और देशभक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम का संचालन नेताजी सुभाषचंद्र बोस समूह द्वारा किया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की मुख्य झलकियां:

- "सरफरोशी की तमन्ना" कविता का भावपूर्ण पाठ।
- "हम हिंदुस्तानी" गीत पर समूह नृत्य।
- "नेतृत्व और समाज सेवा" विषय पर एक प्रेरणादायक नाटक।

निष्कर्ष

शिविर के तृतीय दिवस की सभी गतिविधियाँ बेहद सफल रहीं। स्वयंसेवकों ने समाज सेवा, नेतृत्व विकास, व्यक्तित्व निर्माण एवं सांस्कृतिक जागरूकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया। यह दिन समर्पण, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व का सजीव उदाहरण बना।

शिविर के चौथे दिन की तैयारियों के साथ सभी स्वयंसेवकों ने रात्रि विश्राम किया।

विशेष नेतृत्व शिविर के चतुर्थ दिवस (28 मार्च 2025) की रिपोर्ट

विशेष नेतृत्व शिविर के चौथे दिन की शुरुआत शिविर दिनचर्या के अनुसार प्रातः 5:00 बजे गगनभेदी उद्घोषों के साथ हुई। 5:30 बजे तक सभी स्वयंसेवक तैयार हो गए और आवास स्थल सरस्वती शिशु मंदिर , कोठी से ग्राम रनेही के लिए प्रस्थान किया। स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के विभिन्न नारों, गीतों और भजनों के माध्यम से ग्रामवासियों के बीच जागरूकता और जनचेतना का प्रचार-प्रसार किया। इस प्रभात फेरी के दौरान ग्रामीणों को विभिन्न सामाजिक विषयों जैसे स्वच्छता, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

योगाभ्यास एवं व्यायाम सत्र

प्रभात फेरी के उपरांत सभी स्वयंसेवकों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास और शारीरिक व्यायाम किया। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य स्वयंसेवकों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना था। प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन , ध्यान तथा प्राणायाम का अभ्यास किया गया , जिससे स्वयंसेवकों ने आत्म-संतुलन और अनुशासन की महत्ता को समझा।

नाश्ता एवं भोजन व्यवस्था

योग सत्र के बाद सभी स्वयंसेवकों को हलवा , भजिया और चाय का स्वादिष्ट नाश्ता परोसा गया , जिसे नेताजी सुभाषचंद्र बोस समूह द्वारा तैयार किया गया था। इस दौरान सभी स्वयंसेवकों को स्वच्छता और संतुलित आहार के महत्व को भी समझाया गया।

परियोजना कार्य: तालाब की सफाई एवं सौंदर्यीकरण

शिविर के इस दिन की मुख्य परियोजना कार्य के अंतर्गत ग्राम रनेही के तालाब की सफाई और सौंदर्यीकरण किया गया। इस परियोजना कार्य का संचालन सरपंच प्रतिनिधि श्री रोहित सिंह जी के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम अधिकारियों और शिविर संचालकों के निर्देशन में सभी स्वयंसेवकों ने तालाब के एक भाग की गहन सफाई की। इस दौरान कचरा , प्लास्टिक और अन्य अवशिष्ट पदार्थों को एकत्र कर उचित निस्तारण किया गया।

तालाब की सफाई के इस कार्य से जल संरक्षण और स्वच्छता के महत्व को समझाने के साथ-साथ ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। इस कार्य में स्वयंसेवकों ने अत्यंत उत्साह और समर्पण के साथ भाग लिया। परियोजना कार्य के उपरांत स्वयंसेवकों ने स्नान किया और फिर नेताजी सुभाषचंद्र बोस समूह द्वारा तैयार किए गए स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया।

बौद्धिक सत्र

भोजन एवं विश्राम के उपरांत अपराह्न 2:30 बजे बौद्धिक सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में विभिन्न विशेषज्ञों ने उपस्थित होकर महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान दिया।

1. **साइबर क्राइम एवं साइबर फ्रॉड पर जागरूकता:**
    - इस सत्र के मुख्य वक्ता श्रीमती श्वेता मौर्य (TI, थाना प्रभारी, महिला थाना) एवं उनकी टीम थीं। उन्होंने स्वयंसेवकों को साइबर अपराध , ऑनलाइन धोखाधड़ी और उनसे बचने के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।
    - सब-इंस्पेक्टर पूनम ने महिलाओं के अधिकारों और महिला सुरक्षा से जुड़े विभिन्न कानूनी प्रावधानों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार महिलाएं साइबर अपराध और अन्य सामाजिक चुनौतियों का सामना कर सकती हैं और अपने अधिकारों की रक्षा कर सकती हैं।
2. **ऑर्गेनिक और प्राकृतिक कृषि पर चर्चा:**
    - इस सत्र के दूसरे अतिथि श्री जे.आई. (सेवानिवृत्त SDO, कृषि विभाग) थे। उन्होंने स्वयंसेवकों को जैविक एवं प्राकृतिक कृषि की संभावनाओं , लाभों और इसमें युवाओं की भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी।
    - उन्होंने बताया कि आधुनिक रासायनिक कृषि के दुष्प्रभावों से बचने के लिए जैविक कृषि एक सशक्त विकल्प है, जो पर्यावरण अनुकूल भी है और किसानों की आय को भी बढ़ाने में सहायक हो सकता है।

जनसंपर्क अभियान एवं समीक्षा बैठक

बौद्धिक सत्र के उपरांत नेताजी सुभाषचंद्र बोस समूह के स्वयंसेवकों द्वारा ग्राम रनेही में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत स्वयंसेवकों ने सरकारी योजनाओं और लाभकारी कार्यक्रमों की जानकारी ग्रामीणों तक पहुँचाई और उन्हें इनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान विभिन्न योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, अटल पेंशन योजना, किसान सम्मान निधि योजना आदि के बारे में ग्रामीणों को जागरूक किया गया।

इसके पश्चात, सभी समूहों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें शिविर संचालकों एवं कार्यक्रम अधिकारियों ने स्वयंसेवकों द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की और आगे के कार्यों के लिए मार्गदर्शन दिया। इस बैठक में स्वयंसेवकों ने अपनी अनुभव साझा किए और प्राप्त सीख पर चर्चा की।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

रात्रि भोजन के उपरांत स्वयंसेवकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन नेताजी सुभाषचंद्र बोस समूह के सदस्यों ने किया। स्वयंसेवकों ने देशभक्ति गीत, नृत्य, नाटक और काव्य पाठ प्रस्तुत किए, जिससे सभी दर्शक रोमांचित और प्रेरित हुए।

यह सांस्कृतिक कार्यक्रम न केवल मनोरंजन का साधन था, बल्कि इसने स्वयंसेवकों में रचनात्मकता और आत्म-अभिव्यक्ति की भावना को भी प्रोत्साहित किया।

निष्कर्ष

शिविर के इस चौथे दिन की गतिविधियाँ अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहीं। दिन की शुरुआत जहां प्रभात फेरी , योगाभ्यास और परियोजना कार्य से हुई , वहीं बौद्धिक सत्रों के माध्यम से स्वयंसेवकों को महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया। जनसंपर्क अभियान के द्वारा ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई और अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से स्वयंसेवकों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस प्रकार, यह दिन **स्वास्थ्य, शिक्षा, जागरूकता, सेवा और संस्कृति** के उद्देश्यों को सार्थक करने में पूरी तरह सफल रहा।

विशेष नेतृत्व शिविर के पांचवें दिवस (29 मार्च 2025) की रिपोर्ट

विशेष नेतृत्व शिविर के पांचवें दिन की शुरुआत शिविर दिनचर्या के अनुसार प्रातः 5:00 बजे हुई। स्वयंसेवकों ने गगनभेदी उद्घोषों और जोश से भरपूर नारों के साथ अपने दिन की शुरुआत की। निर्धारित समयानुसार 5:30 बजे तक सभी स्वयंसेवक अपनी पूरी ऊर्जा और अनुशासन के साथ तैयार हो गए और आवास स्थल सरस्वती शिशु मंदिर, कोठी से ग्राम रनेही के लिए प्रस्थान किया।

प्रभात फेरी एवं जनजागरण अभियान

ग्राम रनेही पहुँचने के पश्चात, राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के स्वयंसेवकों ने प्रभात फेरी निकाली। इस दौरान स्वयंसेवकों ने एनएसएस के विभिन्न नारे , गीत और भजन गाकर ग्रामीणों के बीच जागरूकता और जनचेतना का प्रचार-प्रसार किया। इस जागरूकता अभियान के दौरान ग्रामीणों को स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक एकता के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

प्रमुख नारे:

- "स्वच्छ गांव, स्वस्थ समाज!"
- "शिक्षा ही उन्नति की कुंजी है!"
- "पर्यावरण बचाओ, जीवन बचाओ!"
- "एकता में शक्ति है!"

इस अभियान में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी देखी गई और कई ग्रामीणों ने स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की।

योग एवं व्यायाम सत्र

प्रभात फेरी के उपरांत स्वयंसेवकों ने सामूहिक रूप से योग एवं शारीरिक व्यायाम किया। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य स्वयंसेवकों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाना था। प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन, ध्यान एवं प्राणायाम का अभ्यास किया गया। यह सत्र न केवल शरीर को स्वस्थ रखने के लिए महत्वपूर्ण था बल्कि इससे स्वयंसेवकों ने आत्म-संयम और अनुशासन की महत्ता को भी समझा।

नाश्ता एवं भोजन व्यवस्था

योग सत्र के उपरांत स्वयंसेवकों के लिए स्वादिष्ट नाश्ते की व्यवस्था की गई। यह नाश्ता विवेकानंद समूह द्वारा तैयार किया गया था। नाश्ते में हलवा, भजिया और चाय परोसी गई। इस दौरान स्वयंसेवकों को संतुलित आहार एवं स्वच्छता के महत्व को समझाया गया।

परियोजना कार्य: तालाब की सफाई एवं सौंदर्यीकरण

शिविर के पांचवें दिन का मुख्य परियोजना कार्य ग्राम रनेही के तालाब की सफाई और सौंदर्यीकरण था। इस परियोजना कार्य का संचालन सर्पंच प्रतिनिधि श्री रोहित सिंह जी के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम अधिकारियों और शिविर संचालकों के मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों ने तालाब के एक भाग की सफाई की।

परियोजना कार्य की मुख्य गतिविधियाँ:

1. तालाब के किनारों से कचरा, प्लास्टिक एवं अन्य अवशिष्ट पदार्थों को हटाया गया।
2. जल संरक्षण के महत्व पर ग्रामीणों को जागरूक किया गया।
3. पौधारोपण कर तालाब के चारों ओर हरियाली बढ़ाने के प्रयास किए गए।

इस स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण कार्य में स्वयंसेवकों ने अत्यंत उत्साह और समर्पण के साथ भाग लिया। परियोजना कार्य के पश्चात स्वयंसेवकों ने स्नान किया और फिर विवेकानंद समूह द्वारा तैयार किए गए स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया।

बौद्धिक सत्र

भोजन एवं विश्राम के उपरांत अपराह्न 2:30 बजे बौद्धिक सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में विभिन्न विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान दिया।

1. समय प्रबंधन और सामुदायिक नेतृत्व (Time Management & Community Leadership)

इस सत्र के मुख्य वक्ता श्री अनिल कुमार मित्तल (सेवानिवृत्त जीएम , कोल इंडिया, सोहागपुर क्षेत्र) थे। उन्होंने समय प्रबंधन और सामुदायिक नेतृत्व की महत्ता पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक सफल व्यक्ति वही होता है जो समय का सही उपयोग करता है और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझता है। उन्होंने स्वयंसेवकों को यह भी बताया कि कैसे वे समाज के विभिन्न वर्गों के साथ समन्वय स्थापित कर नेतृत्व की क्षमता विकसित कर सकते हैं।

2. सांस्कृतिक गतिविधियाँ, परेड और अनुशासन का महत्व

दूसरे सत्र में डॉ. दीपक मिश्रा **ने** सांस्कृतिक गतिविधियों, परेड एवं अनुशासन की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के विभिन्न आयामों , शिविरों और पुरस्कारों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे अनुशासन और संगठित कार्यशैली व्यक्ति के जीवन को सफल बना सकती है।

जनसंपर्क अभियान एवं समीक्षा बैठक

बौद्धिक सत्र के उपरांत रानी लक्ष्मीबाई समूह के स्वयंसेवकों ने ग्राम रनेही में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस अभियान के अंतर्गत स्वयंसेवकों ने विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं लाभकारी कार्यक्रमों की जानकारी ग्रामीणों तक पहुँचाई और उन्हें इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

प्रमुख योजनाएँ जिनकी जानकारी दी गई:

1. प्रधानमंत्री आवास योजना
2. स्वच्छ भारत मिशन
3. अटल पेंशन योजना
4. किसान सम्मान निधि योजना

ग्रामीणों ने स्वयंसेवकों से अपनी समस्याएँ साझा कीं और इस जनसंपर्क अभियान की सराहना की।

इसके पश्चात सभी समूहों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई , जिसमें शिविर संचालकों एवं कार्यक्रम अधिकारियों ने स्वयंसेवकों द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की। इस बैठक में स्वयंसेवकों ने अपने अनुभव साझा किए और सीखों पर चर्चा की।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

रात्रि भोजन के उपरांत नेताजी सुभाषचंद्र बोस समूह के स्वयंसेवकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में देशभक्ति गीत , नृत्य, नाटक और काव्य पाठ प्रस्तुत किए गए , जिससे सभी दर्शक रोमांचित और प्रेरित हुए।

प्रमुख सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ:

1. **देशभक्ति गीत:** "कर चले हम फिदा जान-ओ-तन साथियों"
2. **नृत्य:** भारतीय संस्कृति पर आधारित लोकनृत्य
3. **नाटक:** स्वच्छता अभियान पर आधारित प्रेरणादायक नाटक
4. **काव्य पाठ:** राष्ट्रभक्ति और समाज सेवा पर आधारित कविताएँ

यह सांस्कृतिक कार्यक्रम न केवल मनोरंजन का साधन था , बल्कि इससे स्वयंसेवकों में रचनात्मकता और आत्म-अभिव्यक्ति की भावना को भी बढ़ावा मिला।

निष्कर्ष

शिविर के इस पांचवें दिन की गतिविधियाँ अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहीं। दिन की शुरुआत जहाँ प्रभात फेरी, योगाभ्यास और परियोजना **कार्य** से हुई, वहीं बौद्धिक सत्रों **के** माध्यम से स्वयंसेवकों को महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया। जनसंपर्क अभियान के द्वारा ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी

प्रदान की गई और अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से स्वयंसेवकों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रकार, यह दिन स्वास्थ्य, शिक्षा, जागरूकता, सेवा और संस्कृति के उद्देश्यों को सार्थक करने में पूरी तरह सफल रहा।

विशेष नेतृत्व शिविर के छठे दिवस (30 मार्च 2025) की विस्तृत रिपोर्ट

विशेष नेतृत्व शिविर का छठा दिन (30 मार्च 2025) भी अनुशासित दिनचर्या के अनुरूप प्रातः 5:00 बजे प्रारंभ हुआ। सभी स्वयंसेवक गगनभेदी उद्घोषों के साथ उठे और उत्साह से भरकर निर्धारित समयानुसार 5:30 बजे तक पूरी तैयारी कर ली। इस दिन की सभी गतिविधियाँ शिविर के उद्देश्यों के अनुरूप सामाजिक चेतना, स्वास्थ्य, अनुशासन और नेतृत्व विकास को केंद्र में रखते हुए आयोजित की गईं।

प्रभात फेरी एवं जनजागरण अभियान

छठे दिन की पहली गतिविधि प्रभात फेरी थी, जो कोठी टाउन में आयोजित की गई। स्वयंसेवकों ने पूरे जोश और समर्पण के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के प्रेरणादायक नारे लगाए और समाज में जागरूकता फैलाने हेतु गीतों, भजनों एवं उद्घोषों का सहारा लिया।

प्रमुख नारे एवं गीत:

- *"उठ जाग मुसाफिर भोर भई, अब रैन कहाँ जो सोवत है।"*
- *"स्वच्छता अपनाएँ, स्वस्थ जीवन पाएँ।"*
- *"शिक्षा का दीप जलाएँ, समाज को आगे बढ़ाएँ।"*
- *"मतदाता जागरूक बनो, अपने अधिकारों को पहचानो।"*

स्वयंसेवकों ने पूरे नगर में मतदाता जागरूकता, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं शिक्षा के महत्व को प्रचारित किया। इस अभियान में स्थानीय नागरिकों की सहभागिता भी रही , जिससे इसका प्रभाव और अधिक व्यापक हुआ।

योग एवं शारीरिक व्यायाम सत्र

प्रभात फेरी के पश्चात स्वयंसेवकों ने सामूहिक योग एवं व्यायाम सत्र में भाग लिया। योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न आसनों एवं प्राणायाम का अभ्यास किया गया। यह सत्र न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ाने के लिए बल्कि मानसिक एकाग्रता एवं अनुशासन को विकसित करने हेतु भी आयोजित किया गया।

स्वल्पाहार एवं भोजन व्यवस्था

योग एवं व्यायाम सत्र के उपरांत देवी अहिल्याबाई समूह द्वारा तैयार किए गए स्वादिष्ट एवं पोषणयुक्त नाश्ते का वितरण किया गया। इसमें हलवा, पोहा एवं चाय परोसी गई।

परियोजना कार्य: तालाब सौंदर्यीकरण एवं सफाई अभियान

इस दिन का मुख्य परियोजना कार्य ग्राम रनेही के तालाब का सौंदर्यीकरण एवं सफाई अभियान था। इस अभियान का संचालन ग्राम के सरपंच श्री रोहित सिंह जी के नेतृत्व में किया गया। इस कार्य में स्वयंसेवकों के साथ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपक मिश्रा , अयोध्या पांडेय, गरिमा सिंह एवं डॉ. महेंद्र कुमार तिवारी भी उपस्थित रहे।

परियोजना कार्य के प्रमुख बिंदु:

1. तालाब के किनारों की सफाई – स्वयंसेवकों ने कचरा, प्लास्टिक और अन्य अवशिष्ट पदार्थों को हटाया।
2. तालाब के जल की गुणवत्ता को बनाए रखने हेतु जनजागरूकता – ग्रामीणों को जल संरक्षण एवं तालाब को स्वच्छ बनाए रखने हेतु प्रेरित किया गया।
3. पौधारोपण – तालाब के चारों ओर हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से पौधारोपण किया गया।

इस कार्य में स्वयंसेवकों ने अनुशासन और मेहनत का परिचय देते हुए सफलतापूर्वक तालाब का सौंदर्यीकरण पूरा किया। इस कार्य की सरपंच जी और ग्रामवासियों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

दोपहर भोजन एवं विश्राम

परियोजना कार्य के उपरांत स्वयंसेवकों ने स्नान कर देवी अहिल्याबाई समूह द्वारा तैयार किए गए स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। भोजन में दाल-चावल, सब्जी, रोटी और सलाद सम्मिलित था।

बौद्धिक सत्र

भोजन एवं विश्राम के उपरांत दोपहर 2:30 बजे बौद्धिक सत्र प्रारंभ हुआ। इस सत्र में प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने स्वयंसेवकों को प्रेरणादायक विचारों से अवगत कराया।

प्रमुख वक्ता एवं उनके विचार:

1. **श्री मयंक चांदीवाल (IFS, DFO सतना)**
   - पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण की महत्ता पर प्रकाश डाला।
   - वनों के संरक्षण में युवा नेतृत्व की भूमिका पर बल दिया।
2. **श्रीमती पूजा जैन (Chartered Accountant)**
   - वित्तीय प्रबंधन एवं आर्थिक साक्षरता पर विचार रखे।
   - स्वयंसेवकों को अपने भविष्य के लिए आर्थिक अनुशासन विकसित करने की प्रेरणा दी।

3. **डॉ. जितेंद्र सिंह (Senior Dentist, जय हिंद हॉस्पिटल, कोठी)**
    - दंत स्वास्थ्य और स्वच्छता पर व्याख्यान दिया।
    - स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु सुझाव दिए।

जनसंपर्क अभियान एवं नुक्कड़ नाटक

बौद्धिक सत्र के पश्चात देवी अहिल्याबाई समूह के नेतृत्व में ग्राम रनेही **में** जनसंपर्क अभियान चलाया गया। स्वयंसेवकों ने नुक्कड़ नाटक एवं रैली के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न किया।

मुख्य बिंदु:

- वोट के अधिकारों पर चर्चा एवं जागरूकता।
- मतदान के महत्व को ग्रामीणों तक पहुँचाना।
- युवा मतदाताओं को प्रेरित करना।

समूह समीक्षा बैठक

जनसंपर्क अभियान के उपरांत शिविर संचालकों एवं कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें शिविर की गतिविधियों का विश्लेषण किया गया और स्वयंसेवकों ने अपने अनुभव साझा किए।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

रात्रि भोजन के उपरांत नेताजी सुभाषचंद्र बोस समूह द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में देशभक्ति गीत, नृत्य, नाटक एवं काव्य पाठ शामिल थे।

प्रमुख प्रस्तुतियाँ:

- *देशभक्ति गीत:* "ऐ मेरे वतन के लोगों।"
- *लोक नृत्य:* भारतीय संस्कृति पर आधारित।
- *नुक्कड़ नाटक:* सामाजिक समस्याओं पर आधारित नाट्य प्रस्तुति।

निष्कर्ष

विशेष नेतृत्व शिविर के छठे दिन की गतिविधियाँ समाज सेवा , अनुशासन, नेतृत्व विकास एवं रचनात्मकता को बढ़ावा देने वाली थीं। स्वयंसेवकों ने न केवल पर्यावरणीय एवं सामाजिक गतिविधियों में भाग लिया बल्कि योग, बौद्धिक सत्र एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों से अपनी व्यक्तिगत

क्षमता का भी विकास किया। इस दिन के सभी आयोजनों ने स्वयंसेवकों को प्रेरित किया कि वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में अपनी भूमिका निभाएँ।

इस प्रकार , शिविर का छठा दिन सेवा, शिक्षा, नेतृत्व एवं सांस्कृतिक समृद्धि के उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने में सहायक रहा।

विशेष नेतृत्व इकाई शिविर का सातवां एवं समापन दिवस (31 मार्च 2025)

विशेष नेतृत्व इकाई शिविर के अंतिम एवं सातवें दिन की शुरुआत निर्धारित दिनचर्या के अनुसार प्रातः 5:00 बजे जागरण से हुई। सभी स्वयंसेवकों ने 5:30 बजे तक स्वयं को तैयार किया और आवास स्थल सरस्वती शिशु मंदिर, कोठी से कोठी टाउन में प्रातः फेरी के लिए निकले। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के विभिन्न नारों जैसे –

- "स्वच्छता ही सेवा है"
- "पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन"
- "नौजवान आओ रे नौजवान"
- "उठ जाग मुसाफिर भोर भई"

आदि गीतों एवं भजनों के माध्यम से जागरूकता एवं जनचेतना का प्रसार किया गया। स्वयंसेवकों ने पूरे नगर में स्वच्छता एवं सामाजिक सेवा से जुड़े संदेशों का प्रचार-प्रसार किया।

योगाभ्यास एवं व्यायाम

प्रातः फेरी के उपरांत सभी स्वयंसेवकों ने शिविर स्थल पर लौटकर योगाभ्यास एवं व्यायाम किया। इस दौरान विभिन्न योग मुद्राओं एवं आसनों का अभ्यास किया गया , जिससे मानसिक एवं शारीरिक स्फूर्ति बनी रहे।

अल्पाहार एवं भोजन व्यवस्था

योगाभ्यास के पश्चात सभी स्वयंसेवकों को अल्पाहार दिया गया, जिसमें गरमा-गरम जलेबी, भजिया और चाय परोसी गई। भोजन व्यवस्था शिवाजी समूह द्वारा की गई थी , जिन्होंने स्वयंसेवकों के लिए पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन तैयार किया।

परियोजना कार्य – स्वच्छता अभियान

इसके बाद परियोजना कार्य के अंतर्गत कार्यक्रम अधिकारियों एवं शिविर संचालक के नेतृत्व में सरस्वती विद्यालय के परिसर एवं प्रांगण की सफाई का कार्य किया गया। इस स्वच्छता अभियान में स्वयंसेवकों ने पूर्ण उत्साह से भाग लिया और विद्यालय को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में योगदान दिया।

स्नान एवं मध्यान्ह भोजन

परियोजना कार्य संपन्न होने के पश्चात सभी स्वयंसेवकों ने स्नान किया और फिर शिवाजी समूह द्वारा तैयार किए गए स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। भोजन में दाल , चावल, सब्जी, रोटी और विशेष रूप से तैयार की गई मिठाई परोसी गई।

औपचारिक कार्यक्रम का शुभारंभ

भोजन के उपरांत कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ हुआ , जिसमें सभी स्वयंसेवकों एवं अतिथियों ने भाग लिया। यह समापन समारोह सरस्वती विद्यालय , कोठी के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में **जिला कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस** उपस्थित थे।

विशिष्ट अतिथियों में –

- श्रीमती सुखवंती कोरी (अध्यक्ष, नगर परिषद कोठी)
- श्री रोहित सिंह (सरपंच प्रतिनिधि, रनेही ग्राम पंचायत)
- श्री अनुपम पाठक (व्यवस्थापक, सरस्वती विद्यालय कोठी)
- डॉ. हर्षवर्धन (प्रतिकुलपति, AKS विश्वविद्यालय)
- श्रीमती प्रियंका बागरी (समाज सेविका एवं संकाय सदस्य)

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अनंत कुमार सोनी (प्रतिकुलाधिपति, AKS विश्वविद्यालय) ने की।

कार्यक्रम की प्रमुख गतिविधियाँ

कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात अतिथियों को NSS बैज लगाकर, पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं स्वागत गीत के माध्यम से उनका अभिनंदन किया गया।

डॉ. रमा शुक्ला (कार्यक्रम अधिकारी) ने सभी अतिथियों का परिचय कराते हुए उनका स्वागत किया। इसके बाद शिविर संचालक एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. महेन्द्र कुमार तिवारी ने सात दिवसीय शिविर के दौरान किए गए कार्यों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि स्वयंसेवकों ने इस शिविर के दौरान न केवल स्वच्छता अभियान , योग और व्यायाम , बल्कि समाज सेवा के अन्य कई महत्वपूर्ण कार्यों में भी सक्रिय रूप से भाग लिया। डॉ. तिवारी ने यह भी बताया कि शिविर में स्वयंसेवकों ने समय प्रबंधन , नेतृत्व और सामुदायिक कार्यों के महत्व को समझा और उसे अपनाया।

अतिथियों के विचार

समारोह के दौरान , प्रमुख अतिथि जिला कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने अपने संबोधन में कहा , "यह शिविर समाज की सेवा और युवाओं के विकास के लिए एक अद्भुत प्रयास है। स्वयंसेवकों ने जो कार्य किए हैं, वह न केवल हमारे समाज के लिए महत्वपूर्ण हैं , बल्कि इनसे समाज में जागरूकता भी बढ़ी है। इस तरह के शिविर युवाओं में नेतृत्व की भावना पैदा करते हैं।" उन्होंने युवा पीढ़ी को अपने लक्ष्यों को निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

विशिष्ट अतिथि श्रीमती सुखवांती कोरी ने इस शिविर को एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा , "स्वच्छता और समाज सेवा का कार्य केवल एक दिन का नहीं , बल्कि निरंतर प्रयासों का परिणाम होता है। इस शिविर ने न केवल स्वयंसेवकों को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का अहसास कराया , बल्कि ग्रामीणों में भी जागरूकता फैलाई।"

श्री रोहित सिंह (सर्पंच प्रतिनिधि, रानीग्राम पंचायत) ने कहा, "हमारे गांव में इस तरह के शिविर का आयोजन एक सकारात्मक बदलाव लेकर आया है। इससे हमारे ग्रामीणों को न केवल स्वच्छता के बारे में जागरूक किया गया, बल्कि वे समाज सेवा के प्रति भी सजग हुए हैं।"

कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री अनंत कुमार सोनी (प्रतिकूलधिपति , अक्ष विश्वविद्यालय) ने अपने संबोधन में कहा, "यह शिविर अक्ष विश्वविद्यालय की सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाता है। इसमें भाग लेकर स्वयंसेवकों ने अपने आत्मविश्वास को बढ़ाया और समाज के प्रति अपनी भूमिका निभाई। मैं सभी स्वयंसेवकों , आयोजकों और अतिथियों का धन्यवाद करता हूं।"

समारोह में डॉ. हरवर्धन और श्रीमती प्रियंका रानी बागरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. हरवर्धन ने स्वास्थ्य के महत्व को बताते हुए कहा , "स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी संपत्ति है , और इस शिविर में युवाओं को इसके बारे में जागरूक किया गया।" वहीं, श्रीमती प्रियंका बागरी ने कहा, "समाज के प्रत्येक वर्ग को जागरूक करना और समाज सेवा के कार्यों में भाग लेना अत्यंत आवश्यक है।"

कार्यक्रम में सभी अतिथियों ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए उनके उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। उन्होंने समाज सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं जल संवर्धन जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए और स्वयंसेवकों को भविष्य में भी इसी तरह सामाजिक सेवा कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेने हेतु प्रेरित किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनमें नृत्य, संगीत, लघु नाटिका एवं समूह गान शामिल थे। इन प्रस्तुतियों को देखकर अतिथिगण मंत्रमुग्ध हो गए और उन्होंने स्वयंसेवकों की प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

पुरस्कार एवं सम्मान समारोह

समापन समारोह के दौरान, सात दिवसीय शिविर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवकों, समूहों एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पदक एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

पुरस्कृत की गई प्रमुख प्रतियोगिताएँ –

- मेहंदी प्रतियोगिता
- रंगोली प्रतियोगिता
- पोस्टर एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता
- वाद-विवाद प्रतियोगिता

शिविर समापन एवं समीक्षा

अंत में रैली पोस्ट के माध्यम से सभी स्वयंसेवकों की गिनती की गई और शिविर की समग्र समीक्षा की गई। इसके पश्चात लक्ष्यगीत एवं राष्ट्रगान के साथ शिविर ध्वज को उतारा गया और शिविर का विधिवत विसर्जन किया गया।

निष्कर्ष

यह सात दिवसीय विशेष नेतृत्व इकाई शिविर स्वयंसेवकों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक रहा। इस शिविर ने न केवल उन्हें नेतृत्व कौशल प्रदान किया , बल्कि समाज सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को भी सशक्त किया। शिविर में भाग लेने वाले सभी स्वयंसेवकों ने इसे एक स्मरणीय एवं शिक्षाप्रद अनुभव के रूप में संजोया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025

भोजन

31/03/2025

"संतुलित आहार, स्वस्थ जीवन का आधार"

"शुद्ध भोजन, शुद्ध विचार – स्वस्थ जीवन का ये उपहार!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025 तक

सांस्कृतिक कार्यक्रम

30/03/2025

"संस्कृति के रंग एकता के संग!"

"लोकगीत, नृत्य और परम्परा की शान, यही है भारत की असली पहचान!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025 तक

स्वल्पाहार

31/03/2025

"पौष्टिक नाश्ता, ऊर्जा का रास्ता!"

संतुलित आहार अपनाएं, स्वस्थ जीवन पाएं

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025 तक

प्रभात फेरी

31/03/2025

हर सुबह एक नया संकल्प

उठो जवान, देश पुकारे - मिलकर कदम बढ़ाएं सारे!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025

भोजन

30/03/2025

"अपने हाथों से बनाया, प्रेम से सजाया पोषण से भरपूर भोजन"

"स्वाद, श्रम और स्नेह का मेल – हर थाली में सेहत का खेल!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025 तक

बौद्धिक चर्चा

31/03/2025

ज्ञान का दीपक चर्चा की रोशनी

"बदलाव वहीं से आता है, जहां संवाद होता है!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025 तक

आगमन

25/03/2025

"एक नई यात्रा, एक नया प्रयास – समाज के लिए समर्पण का एहसास!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025 तक

व्यायाम, योग

31/03/2025

योग अपनाएं, स्वस्थ जीवन पाएं

"आओ मिलकर योग अपनाएं, स्वस्थ जीवन का आनंद पाएं"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025 तक

शिविर व्यवस्था

25/03/2025

"अनुशासन और सहयोग – शिविर व्यवस्था का संयोग!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025 तक

परेड प्रदर्शन

31/03/2025

"कदम-कदम बढ़ाएंगे, अनुशासन की लौ जलाएंगे!"

"एक लय, एक ताल – परेड में दिखे अनुशासन का कमाल!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025

रात्रि भोजन

25/03/2025

"संतुलित आहार, स्वस्थ जीवन का आधार"

"शुद्ध भोजन, शुद्ध विचार – स्वस्थ जीवन का ये उपहार!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025 तक

परियोजना कार्य

31/03/2025

"योजनाओं में पारदर्शिता, विकास की गारंटी!"

"नयी सोच, नयी दिशा, प्रगति की हो नई परिभाषा!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025 तक

समापन सत्र

31/03/2025

"एक यात्रा समाप्त, नई सीख की शुरुआत!"

"शिविर की यादें सहेज कर चले, समाज सेवा का संकल्प लेकर चले!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025 तक

प्रस्थान

31/03/2025

"समाप्ति नहीं, एक नए बदलाव की दिशा!"

"NSS विशेष शिविर 2025 – सेवा, समर्पण और सीख का अद्भुत अनुभव!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025 तक

बौद्धिक चर्चा

30/03/2025

"जब विचार टकराएंगे, तब नए समाधान आयेंगे"

"जब सोच गहरी होगी, तब राह सुनहरी होगी!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025 तक

बौद्धिक चर्चा

30/03/2025

"जब विचार टकराएंगे, तब नए समाधान आयेंगे"

"जब सोच गहरी होगी, तब राह सुनहरी होगी!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025 तक

बौद्धिक चर्चा

28/03/2025

ज्ञान का दीपक चर्चा की रोशनी

मुख्यवक्ता : श्री मनीष भारद्वाज (आई पी अस) थाना प्रभारी (कोठी)

"बदलाव वहीं से आता है, जहां संवाद होता है!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025 तक

रंगोली प्रतियोगिता

29/03/2025

"प्रतियोगिता नहीं, यह है खुद से जीतने की परीक्षा!"

"मंज़िल उन्हीं को मिलती है, जो हार नहीं मानते!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025 तक

मेहंदी प्रतियोगिता

29/03/2025

"प्रतियोगिता नहीं, यह है खुद से जीतने की परीक्षा!"

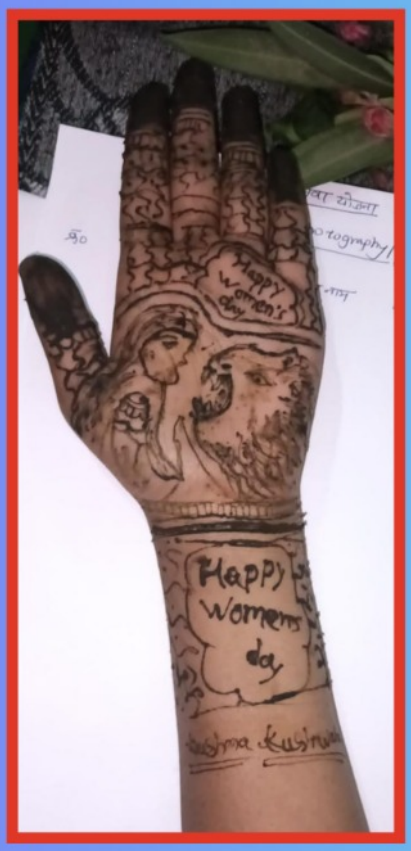

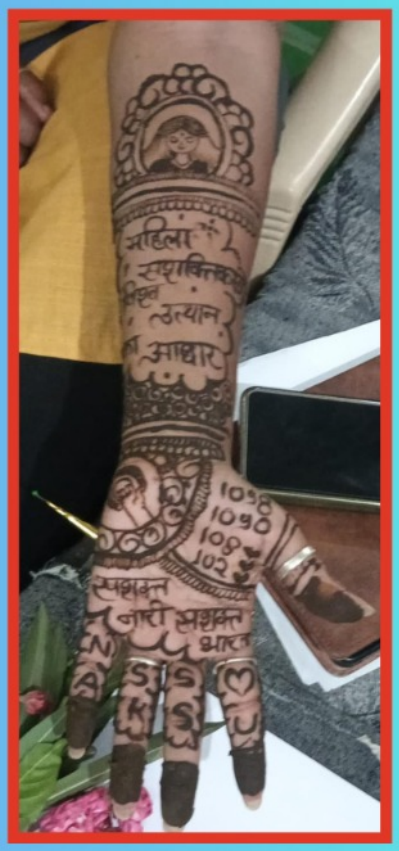

"मंज़िल उन्हीं को मिलती है, जो हार नहीं मानते!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025 तक

पोस्टर प्रतियोगिता

29/03/2025

"प्रतियोगिता नहीं, यह है खुद से जीतने की परीक्षा!"

"मंज़िल उन्हीं को मिलती है, जो हार नहीं मानते!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025 तक

भाषण प्रतियोगिता

29/03/2025

"प्रतियोगिता नहीं, यह है खुद से जीतने की परीक्षा!"

"मंज़िल उन्हीं को मिलती है, जो हार नहीं मानते!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025 तक

सांस्कृतिक कार्यक्रम

26/03/2025

"संस्कृति का सम्मान, भारत की पहचान!"

"रंग, राग और रिवाज – यही है भारत की आवाज़!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025

समापन समारोह

31/03/2025

एक यात्रा समाप्त, नई सीख की शुरुआत!"

शिविर की यादें सहेज कर चले,
समाज सेवा का संकल्प लेकर चले !

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए के एस विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025 तक

बौद्धिक चर्चा

30/03/2025

"जब विचार टकराएंगे, तब नए समाधान आयेंगे"

"जब सोच गहरी होगी, तब राह सुनहरी होगी!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025 तक

प्रस्थान

31/03/2025

"समाप्ति नहीं, एक नए बदलाव की दिशा!"

"NSS विशेष शिविर 2025 – सेवा, समर्पण और सीख का अद्भुत अनुभव!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025 तक

समापन सत्र

31/03/2025

"एक यात्रा समाप्त, नई सीख की शुरुआत!"

"शिविर की यादें सहेज कर चले, समाज सेवा का संकल्प लेकर चले!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025 तक

परियोजना कार्य

31/03/2025

"योजनाओं में पारदर्शिता, विकास की गारंटी!"

"नयी सोच, नयी दिशा, प्रगति की हो नई परिभाषा!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर

25/03/2025 से 31/03/2025

भोजन

31/03/2025

"संतुलित आहार, स्वस्थ जीवन का आधार"

"शुद्ध भोजन, शुद्ध विचार – स्वस्थ जीवन का ये उपहार!"

शिविर स्थल : ग्राम रनेही (कोठी)

आयोजक : ए. के. एस. विश्वविद्यालय, सतना (म. प्र.)

एकेएस के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का समापन

प्रभात फेरी के साथ स्वयंसेवको ने किया योग व्यायाम

सतना। एकेएस विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा सात दिवसीय शिविर का समापन हर्ष और उल्लास के साथ हुआ। इस शिविर के अंतिम दिन स्वयंसेवकों ने दिनचर्या के अनुसार प्रातःकाल प्रभात फेरी निकाली, योग, व्यायाम किया तथा विद्यालय परिसर की सफाई सुनिश्चित की। इसके बाद, समापन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ.हर्षवर्धन, प्रतिकुलपति, एकेएस विश्वविद्यालय, चेयरमैन अनंत कुमार सोनी, विशिष्ट अतिथि श्रीमती सुखवंती कोठी, अध्यक्ष, नगर पालिका कोठी, श्री रोहित सिंह, सरपंच प्रतिनिधि, रनेही पंचायत, अनुपम पाठक, व्यवस्थापक, सरस्वती विद्यालय कोठी, श्रीमती शिवंका जयी नागरी सहित समाज सेविका शामिल रहे।

समारोह में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. महेन्द्र कुमार तिवारी ने सात दिवसीय शिविर के दौरान किए गए कार्यों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि स्वयंसेवकों ने इस शिविर के दौरान न केवल स्वच्छता अभियान, योग और व्यायाम, बल्कि समाज सेवा के अन्य कई महत्वपूर्ण कार्यों में भी सक्रिय रूप से भाग लिया। डॉ. तिवारी ने यह भी बताया कि शिविर में स्वयंसेवकों ने समय प्रबंधन, नेतृत्व और सामुदायिक कार्यों के महत्व को समझा और उसे अपनाया।

समारोह के दौरान, मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस. ने अपने संबोधन में कहा कि यह शिविर समाज की सेवा और युवाओं के विकास के लिए एक अच्छा प्रयास है। स्वयंसेवकों ने जो कार्य किए हैं वह न केवल हमारे समाज के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि इससे समाज में जागरूकता भी बढ़ी है। इस तरह के शिविर युवाओं में नेतृत्व की भावना पैदा करते हैं। उन्होंने युवा पीढ़ी को अपने लक्ष्यों को निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. हर्षवर्धन ने स्वास्थ्य के महत्व को बताते हुए कहा कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी संपत्ति है, और इस शिविर में युवाओं को इसके बारे में जागरूक किया गया।

विशिष्ट अतिथि श्रीमती शिवंका नागरी ने शिविर को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि स्वच्छता और समाज सेवा का कार्य केवल एक दिन का नहीं, बल्कि निरंतर प्रयासों का परिणाम होता है। इस शिविर ने न केवल स्वयंसेवकों को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का अहसास कराया, बल्कि ग्रामीणों में भी जागरूकता फैलाई रोहित सिंह, सरपंच प्रतिनिधि, रानीग्राम ने कहा, हमारे गांव में इस तरह के शिविर का आयोजन एक सकारात्मक बदलाव लेकर आया है। इससे हमारे ग्रामीणों को न केवल स्वच्छता के बारे में जागरूक किया गया बल्कि वे समाज सेवा के प्रति भी सजग हुए हैं। इसमें भाग लेकर स्वयंसेवकों ने अपना आत्मविश्वास बढ़ाया और समाज के प्रति अपनी भूमिका निभाई। उन्होंने स्वयंसेवकों, आयोजकों और अतिथियों का धन्यवाद किया। समापन समारोह में सभी प्रतिभागियों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए मेडल और प्रमाणपत्र वितरित किए गए।समारोह की शुरुआत पारंपरिक रूप से अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन करके की गई। दीप प्रज्वलन के बाद अतिथियों का स्वागत किया गया और कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की गई। समारोह का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपक मिश्रा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

शिविर के आयोजन में डॉ. रमा शुक्ला, कार्यक्रम अधिकारी महिला इकाई डॉ. नीरज वर्मा, कृषि विभाग, गरिमा सिंह अयोध्या पाठक, समस्त विश्वविद्यालय स्टाफ और विश्वविद्यालय प्रबंधन का विशेष योगदान रहा। इस कार्यक्रम ने न केवल स्वयंसेवकों को प्रेरित किया, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का मार्ग भी प्रशस्त किया।

एकेएस विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का समापन समारोह

रियल वर्ल्ड, सतना

एकेएस विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा सात दिवसीय शिविर 25 मार्च से 31 मार्च 2025 तक आयोजित हुआ। शिविर का समापन हर्ष और उल्लास के साथ हुआ। इस शिविर के अंतिम दिन स्वयंसेवकों ने दिनचर्या के अनुसार प्रातःकाल प्रभात फेरी निकाली, योग, व्यायाम किया तथा विद्यालय परिसर की सफाई सुनिश्चित की। इसके बाद, समापन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस. कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. हर्षवर्धन, प्रतिकुलपति, एकेएस विश्वविद्यालय, चेयरमैन अनंत कुमार सोनी, विशिष्ट अतिथि श्रीमती सुखवंती कोरी, अध्यक्ष,नगर परिषद कोठी, देहित सिंह, सरपंच प्रतिनिधि, रनहे पंचायत, अनुपम पाठक,व्यवस्थापक, सरस्वती विद्यालय कोठी, श्रीमती प्रियंका रानी बागरी वरिष्ठ समाज सेविका शामिल रहे। समारोह में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. महेन्द्र कुमार तिवारी ने सात दिवसीय शिविर के दौरान किए गए कार्यों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि स्वयंसेवकों ने इस शिविर के दौरान न केवल स्वच्छता अभियान, योग और व्यायाम, बल्कि समाज सेवा के अन्य कई महत्वपूर्ण कार्यों में भी सक्रिय रूप से भाग लिया। डॉ. तिवारी ने यह भी बताया कि शिविर में स्वयंसेवकों ने समय प्रबंधन, नेतृत्व और सामुदायिक कार्यों के महत्व को समझा और उसे अपनाया। समारोह के दौरान, प्रमुख अतिथि जिला कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस. ने अपने संबोधन में कहा कि यह शिविर समाज की सेवा और युवाओं के विकास के लिए एक अद्भुत प्रयास है। स्वयंसेवकों ने जो कार्य किए हैं, वह न केवल हमारे समाज के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि इनसे समाज में जागरूकता भी बढ़ी है। इस तरह के शिविर युवाओं में नेतृत्व की भावना पैदा करते हैं। उन्होंने युवा पीढ़ी को अपने लक्ष्यों को निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. हर्षवर्धन ने स्वास्थ्य के महत्व को बताते हुए कहा कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी संपत्ति है, और इस शिविर में युवाओं को इसके बारे में जागरूक किया गया। विशिष्ट अतिथि श्रीमती प्रियंका बागरी ने शिविर को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि स्वच्छता और समाज सेवा का कार्य केवल एक दिन का नहीं, बल्कि निरंतर प्रयासों का परिणाम होता है। इस शिविर ने न केवल स्वयंसेवकों को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का अहसास कराया, बल्कि ग्रामीणों में भी जागरूकता फैलाई। देहित सिंह, सरपंच प्रतिनिधि, रनहेग्राम ने कहा, हमारे गांव में इस तरह के शिविर का आयोजन एक सकारात्मक बदलाव लेकर आया है। इससे हमारे ग्रामीणों को न केवल स्वच्छता के बारे में जागरूक किया गया बल्कि वे समाज सेवा के प्रति भी सजग हुए हैं। इसमें भाग लेकर स्वयंसेवकों ने अपना आत्मविश्वास बढ़ाया और समाज के प्रति अपनी भूमिका निभाई। उन्होंने स्वयंसेवकों, आयोजकों और अतिथियों का धन्यवाद किया। समापन समारोह में सभी प्रतिभागियों को उनकी उत्कृष्ट कार्यों के लिए मेडल और प्रमाणपत्र वितरित किए गए।समारोह की शुरुआत पारंपरिक रूप से अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन करके की गई। दीप प्रज्वलन के बाद अतिथियों का स्वागत किया गया और कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की गई। समारोह का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपक मिश्रा ने सभी का आभार व्यक्त किया। शिविर के आयोजन में डॉ. रमा शुक्ला, कार्यक्रम अधिकारी महिला इकाई, डॉ. नीरज वर्मा, कृषि विभाग, गरिमा सिंह, अयोध्या पाठक, समस्त विश्वविद्यालय स्टाफ और विश्वविद्यालय प्रबंधन का विशेष योगदान रहा। इस कार्यक्रम ने न केवल स्वयंसेवकों को प्रेरित किया, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का मार्ग भी प्रशस्त किया।

एकेएस यूनिवर्सिटी के प्रबंधन विभाग पेटेंट प्राप्त किया

रियल वर्ल्ड, सतना

एकेएस यूनिवर्सिटी के प्रबंधन अध्ययन विभाग में एक बड़ी उपलब्धि दर्ज हुई, डॉ.चंदन सिंह और उनके सहयोगियों का पेटेंट प्रकाशित हुआ आविष्कार का शीर्षक, प्रबंधकों के लिए एआई संचालित कार्यप्रवाह स्वचालन और कार्य प्राथमिकता प्रणाली। इसकी आवेदन संख्या 202521021161 है और प्रकाशन की तारीख 21/03/2025 है। डॉ. चंदन सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग, एकेएस यूनिवर्सिटी, सतना, मध्यप्रदेश, और उनके सहयोगियों ने एक महत्वपूर्ण आविष्कार पर पेटेंट प्राप्त किया है। इस टीम में डॉ. चंदन सिंह, डॉ. सौम्या द्विवेदी, कृष्ण कुमार मिश्रा, शिवम कुमार त्रिपाठी, डॉ प्रियंका ए. शर्मा, किरण छावड़िया, अंकित कुमार गर्ग, प्रांजल अग्रवाल, डॉ.प्रकाश कुमार सेन, शीतू शुक्ला, कार्तिक सोनी, रेशमा पांडे शामिल हैं। यह आविष्कार कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके प्रबंधकों के लिए कार्यों को स्वचालित और प्राथमिकता देने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया है। इस उपलब्धि पर विभाग के एचओडी एवं एसोसिएट डीन डॉ. कौशिक मुखर्जी ने इसे महत्वपूर्ण सफलता बताया।

एकेएस के बीटेक मैकेनिकल स्टूडेंट, यूसीसी कैडेट नागेंद्र बने अग्निवीर

इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग केंद्र भोपाल के लिए चयनित

रियल वर्ल्ड, सतना

एकेएस के बीटेक मैकेनिकल थर्ड ईयर के स्टूडेंट और यूसीसी कैडेट नागेंद्र अहिरवार अग्निवीर सेना में चयनित हुए हैं। उनका सिलेक्शन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग केंद्र भोपाल के लिए हुआ है।उल्लेखनीय है कि इस योजना के तहत भर्ती होने वाले जवानों को 'अग्निवीर' कहा जाता है। इनका कार्यकाल आठ साल का होता है। भारत की अग्निपथ योजना के तहत भर्ती होने वालों में से सिर्फ 25 फीसदी जवानों को ही स्थाई सेवा में रखने के प्रावधान है। बाकी बचे 75 फीसदी के लिए सिर्फ आठ साल में ही रिटायर होने का प्रावधान है। नागेंद्र अहिरवार की जॉइनिंग 23 अप्रैल को है और उनकी उम्र 21 वर्ष है। वह सेना में सिलेक्शन प्राप्त करने के बाद बेहद प्रसन्न है। इनके पिता सुखीलाल अहिरवार बस ड्राइवर हैं और माँ नीता अहिरवार गृहणी है। नागेंद्र इस बात से खुश हैं कि अग्निवीर योजना के तहत मिलने वाली 30000 रुपए सैलरी से वह परिवार को खुशियां दे पाएंगे और बहनों के सपनों को भी पंख लगाएंगे। विश्वविद्यालय के प्रोवाइसलर अनंत कुमार सोनी, कुलपति प्रो. बी.ए. चोपड़े, कैप्टन रावेंद्र सिंह परिहार और यूसीसी के समस्त जवानों ने नागेंद्र की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। नागेंद्र अहिरवार ने विश्वविद्यालय परिवार का आभार व्यक्त किया है।

एकेएस यूनिवर्सिटी के 'सवायास हील' को सतना इनक्यूबेशन सेंटर में मानसिक स्वास्थ्य स्टार्टअप के रूप में दी मान्यता

रियल वर्ल्ड, सतना

एकेएस यूनिवर्सिटी में कंप्यूटर साइंस के छात्रों ने सवायास हील नाम से स्टार्टअप प्रारंभ किया है। जो मानसिक स्वास्थ्य सेवा को किफायती, सुलभ और निर्णय-मुक्त बनाने के उद्देश्य से एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है। सवायास हील स्टार्टअप की परिकल्पना अभिनव कुशवाह सहसंस्थापक और सीईओ,सुप्रिया कुमारी, और अनु कुमारी सह-संस्थापक और सीएमओ ने की है। यह कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग विभाग के तीसरे वर्ष के बी.टेक सीएसई छात्र हैं। छात्रों ने सीएसई के प्रमुख डॉ. अखिलेश ए.चंद्र और अनुराग गर्ग के प्रति आभार व्यक्त किया। सवायास हील किफायती ऑनलाइन थेरेपी सत्र प्रदान करता है, जिससे घर बैठे विशेषज्ञ मानसिक स्वास्थ्य सहायता सुलभ हो जाती है। बढ़ते तनाव और मनोवैज्ञानिकों तक सीमित पहुंच के साथ, हम सुविधाजनक लागत, प्रभावी देखभाल प्रदान करके इस अंतर को पाटते हैं। प्रोवाइसलर अनंत कुमार सोनी, कुलपति प्रो. बी.ए. चोपड़े, अमित कुमार सोनी, इंजीनियरिंग डीन डॉ. जी.के. प्रधान ने अपने युवा इनोवेटर्स की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

समापन समारोह में कलेक्टर, चेयरमैन, प्रतिकुलपति एवं अन्य अधिकारी।

एकेएसयू में एनएसएस के 7 दिवसीय कैम्प का समापन

भास्कर न्यूज | सतना

एकेएस विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा सात दिवसीय शिविर का समापन बीते 31 मार्च को किया गया। शिविर के अंतिम दिन स्वयंसेवकों ने दिनचर्या के अनुसार प्रातःकाल प्रभात फेरी निकाली, योग, व्यायाम किया तथा विद्यालय परिसर की सफाई की। समापन समारोह के मुख्य अतिथि कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. हर्षवर्धन, चेयरमैन अनंत कुमार सोनी ने की। विशिष्ट अतिथि के तौर पर नगर परिषद कोठी की अध्यक्ष सुखबंती कोरी रोहित सिंह, अनुपम पाठक, प्रियंका रानी बागरी मौजूद रहीं।

समाज की सेवा और युवाओं के विकास के लिए एकेएस का अद्भुत प्रयास- कलेक्टर

एकेएस के राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय शिविर सम्पन्न

बिजनेस ट्रैक ■ सतना

एकेएस विश्व विद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा सात दिवसीय शिविर 25 मार्च से 31 मार्च तक आयोजित हुआ। शिविर का समापन हर्ष और उल्लास के साथ हुआ। इस शिविर के अंतिम दिन स्वयं सेवकों ने दिनचर्या के अनुसार प्रातः काल प्रभात फेरी निकाली, योग, व्यायाम किया तथा विद्यालय परिसर की सफाई सुनिश्चित की। इसके बाद, समापन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस, कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ.हर्षवर्धन, प्रतिकूलपति, एकेएस विश्व विद्यालय, चेयरमैन अनंत कुमार सोनी, विशिष्ट अतिथि श्रीमती सुखबंती कोरी, अध्यक्ष, नगर परिषद कोठी, रोहित सिंह, सरपंच प्रतिनिधि, रनेही पंचायत, अनुपम पाठक, व्यवस्थापक, सरस्वती विद्यालय कोठी, श्रीमती प्रियंका रानी बागरी वरिष्ठ समाज सेविका शामिल रहे।

समारोह में कार्यक्रम समन्वयक डॉ.महेन्द्र कुमार तिवारी ने सात दिवसीय शिविर के दौरान किए गए कार्यों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि स्वयं सेवकों ने इस

शिविर के दौरान न केवल स्वच्छता अभियानए योग और व्यायामए बल्कि समाज सेवा के अन्य कई महत्वपूर्ण कार्यों में भी सक्रिय रूप से भाग लिया। डॉ.तिवारी ने यह भी बताया कि शिविर में स्वयं सेवकों ने समय प्रबंधन, नेतृत्व और सामुदायिक कार्यों के महत्व को समझा और उसे अपनाया।

समारोह के दौरान प्रमुख अतिथि जिला कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस.ने अपने संबोधन में कहा कि यह शिविर समाज की सेवा और युवाओं के विकास के लिए एक अद्भुत प्रयास है। स्वयं सेवकों ने जो कार्य किए हैं, वह न केवल हमारे समाज के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि इनसे समाज में जागरूकता भी बढ़ी है। इस तरह के शिविर युवाओं में नेतृत्व की भावना पैदा करते हैं। उन्होंने युवा पीढ़ी को अपने लक्ष्यों को निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। डॉ.हर्षवर्धन ने स्वास्थ्य के महत्व को बताते हुए कहा कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी संपत्ति है और इस शिविर में युवाओं को इसके बारे में जागरूक किया गया।

दिल्ली पब्लिक स्कूल सतना के 26 खिलाड़ियों ने डिस्ट्रिक्ट कराते चैम्पियनशिप में 47 मेडल जीते

बिजनेस ट्रैक ■ सतना

सतना। शि-गो-शो-वा-काई डिस्ट्रिक्ट कराते चैंपियनशिप 20 अप्रैल 2025 को कृष्णा नगर में आयोजित की गई यह प्रतियोगिता डिस्ट्रिक्ट एंड स्टेट कराते एसोसिएशन और कराते इंडिया ऑर्गेनाइजेशन (किओ) इंडिया से मान्यता प्राप्त है इस प्रतियोगिता में हमारे दिल्ली पब्लिक स्कूल सतना के 26 खिलाड़ियों ने काता एंव कुमिते इवेंट? में 47 मेडल जीते , इस प्रतियोगिता में जीतने वाले खिलाड़ियों का चयन.तृषा विश्वकर्मा , काव्य विश्वकर्मा, हर्षित माकिन , शर्विल तिवारी, अनाया कुशवाहा, वंश साहू, राव्या तिडके, दर्शी जैन, रियांश दहायत, पारस गुप्ता, शिवाय अरोरा, रुआन शिरवानी, अभय मिश्रा, राघव पाठक, कान्हा सिंह, अनमित सिंह परिहार, विक्रम सिंह बागरी, अंश प्रताप सिंह , वियोम केडिया, अंश मिश्रा, आयुष शुक्ला, अभी गुप्ता, शिवा पटेल, अक्षज वर्मा, सूर्यांश सिंह, ऋषभ सिंह इंदौर में 16 से 17 मई को होने वाली स्टेट कराते चैंपियनशिप के लिए चयन हुआ है खिलाड़ियों की सफलता पर दिल्ली पब्लिक स्कूल सतना की प्रधानाचार्य श्रीमती शशि श्रीनिवासन, पीटीआई कुलदीप पांडेय,कराते कोच गुड्डू कनौजिया ,कराते कोच चाहत केशरवानी,शरदेंदु शुक्ला,आकाश तिवारी, प्रियांशु सेन, रुक्मणी मिश्रा, मेघा मिश्रा ,पूनम शुक्ला ने बच्चों को बधाई दिए एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

अर्थव ने 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण व 100 मीटर दौड़ में सिल्वर मैडल जीता

श्रीमत माध्यव राव सिंधिया स्पोर्ट काम्पलेक्स में एथेलेटिक्स स्पर्धा

बिजनेस ट्रैक ■ सतना

शिवपुरी जिले के श्रीमत माध्यव राव सिंधिया स्पोर्ट काम्पलेक्स में आयोजित राज्य स्तरीय 18 वर्ष से कम उम्र की एथेलेटिक्स स्पर्धा में सतना जिले के युवा एथलीट अर्थव मिश्रा ने 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में स्वर्ण पादक एवं 100 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में सिल्वर मैडल प्राप्त कर सतना जिले का नाम गौरवान्वित किया है। अर्थव मिश्रा किस्तकुला मिशन हायर सेकेन्डरी स्कूल सतना के कक्षा 11 वी के छात्र है विगत वर्ष अर्थव मिश्रा आई.सी.एस.सी.स्कूल गेम्स हैदराबाद में आयोजित प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। अथर्व मिश्रा अधिवक्ता वर्षा मिश्रा एवं संजीव मिश्रा के सुपुत्र है। अर्थव वर्तमान में सतना शहर के जवाहर नगर स्टेडियम में नियमित रूप से प्रतियोगिताओं की तैयारी करते है उनकी इस उपलब्धि में खेल प्रेमियों ने खुशी जाहिर की है। उक्त प्रतियोगिता में प्रदेश के स्पॉटस अधारटी ऑफ इण्डिया जबलपुर उजैन स्पोर्टस एकेडमी भोपाल, शिवपुरी ग्वालियर इंदौर आदि सहित मध्यप्रदेश को एथलिट सम्मिलित हुए।